भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक ऑफ इंडिया का मेगा वित्तीय समावेशन शिविर

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में एक मेगा वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन रांची के टांगर स्थित पंचायत भवन में किया गया। इस शिविर का उद्देश्य लोगों को वित्तीय प्रणाली और उसकी सुविधाओं से जोड़ना और सुनिश्चित करना है कि सभी नागरिक इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें। शिविर में पुनः केवाइसी, जन धन खातों में विवरण अद्यतन करना, सामाजिक सुरक्षा बीमा एवं पेंशन योजनाओं का लाभ दिलाना और आवश्यक वित्तीय जानकारी प्रदान करना शामिल था। भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने कहा कि यह शिविर लोगों को वित्तीय प्रणाली से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक पीआर राजगोपाला ने कहा कि बैंक देश के हर नागरिक तक बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने बताया कि बैंक ने हाल ही में कई ब्रांचों और डिजिटल टचपॉइंट्स के माध्यम से दस्तावेज रहित खाता खोलने, माइक्रो क्रेडिट, बीमा और अन्य सेवाओं का विस्तार किया है। भारतीय रिजर्व बैंक, रांची कार्यालय द्वारा अक्टूबर 2024 से विशेष प्रयास किये जा रहे हैं जिसके तहत 12 लाख से अधिक खातों में पुनः केवाइसी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। झारखंड राज्य का प्रदर्शन इस संदर्भ में उल्लेखनीय रहा है। बैंक ऑफ इंडिया की सतत पहल से आने वाले वर्षों में समाज के वंचित वर्गों, महिलाओं, युवाओं और छोटी व्यवसाय इकाइयों को और अधिक आर्थिक ताकत मिलने की उम्मीद है। बैंक वित्तीय समावेशन के लिए प्रतिबद्ध है और देशवासियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में अग्रसर है।

आरबीआई एवं बीओआई के संयुक्त तत्वावधान में वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक पीआर राजगोपाला के रांची आगमन के अवसर पर बुधवार को बीओआई एवं भारतीय रिजर्व बैंक के संयुक्त तत्वावधान में मेगा वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन रांची के टांगर स्थित पंचायत भवन में भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, बीओआई फील्ड महाप्रबंधक गुरु प्रसाद गोंड तथा बीओआई रांची आंचलिक प्रबंधक संजीव कुमार सिंह की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन ने कहा कि यह शिविर लोगों से जुड़ने और यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि सभी नागरिक वित्तीय प्रणाली और उसकी सुविधाओं से लाभान्वित हों। उन्होंने बताया कि बैंकों और सभी हितधारकों के सहयोग से ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य पुनः केवाईसी, जन धन खातों सहित सभी खातों में विवरण अद्यतन कर उन्हें सक्रिय रखना, नामांकन, सामाजिक सुरक्षा बीमा एवं पेंशन योजनाओं का लाभ दिलाना और आवश्यक वित्तीय जानकारी, सुविधाएं एवं सावधानियों के प्रति जागरूक करना है। बीओआई के कार्यपालक निदेशक पीआर राजगोपाला ने वित्तीय समावेशन की आवश्यकता और महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बैंक देश के हर नागरिक तक बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

एक नजर

आरबिआई ও ব্যাংক অফ ইন্ডিয়ার যৌথ উদ্যোগে মেগা আর্থিক অন্তর্ভুক্তি শিবিরের আয়োজন

সংবাদদাতা, রাঁচি

ব্যাংক অফ ইন্ডিয়ার কার্যনির্বাহী পরিচালক পি আর রাজগোপালার

রাঁচি আগমন উপলক্ষে বুধবার বিওআই ও ভারতীয় রিজার্ভ ব্যাংকের যৌথ উদ্যোগে রাঁচির টাঙ্গরস্থিত পঞ্চায়েত ভবনে এক মেগা আর্থিক অন্তর্ভুক্তি শিবিরের আয়োজন করা হয়। এই অনুষ্ঠানে ভারতীয় রিজার্ভ ব্যাংকের আঞ্চলিক পরিচালক প্রেম রঞ্জন প্রসাদ সিং, বিওআই ফিল্ড মহাব্যবস্থাপক গুরু প্রসাদ গোঁড় এবং বিওআই রাঁচি আঞ্চলিক ব্যবস্থাপক সঞ্জীব কুমার সিং উপস্থিত ছিলেন। এই উপলক্ষে আঞ্চলিক পরিচালক প্রেম রঞ্জন প্রসাদ সিং বলেন, এই শিবিরের উদ্দেশ্য হলো মানুষের সঙ্গে সরাসরি সংযোগ স্থাপন এবং নিশ্চিত করা যে সকল নাগরিক আর্থিক ব্যবস্থা ও তার সুবিধা থেকে উপকৃত হন। তিনি জানান, ব্যাংক ও সব অংশীদারের সহযোগিতায় গ্রাম পঞ্চায়েত স্তরে অনুষ্ঠিত এসব শিবিরের লক্ষ্য হলো পুনরায় কে ওয়াই সি, জনধন অ্যাকাউন্টসহ সব অ্যাকাউন্টের তথ্য হালনাগাদ করে সক্রিয় রাখা, মনোনয়ন, সামাজিক নিরাপত্তা বীমা ও পেনশন প্রকল্পের সুবিধা পৌঁছে দেওয়া এবং প্রয়োজনীয় আর্থিক তথ্য, সুবিধা ও সতর্কতা সম্পর্কে সচেতনতা বৃদ্ধি করা। তিনি আরও জানান, ভারতীয় রিজার্ভ ব্যাংক, রাঁচি কার্যালয় ২০২৪ সালের অক্টোবর থেকে এ ধরনের বিশেষ প্রচেষ্টা চালাচ্ছে, যার আওতায় এখন পর্যন্ত ১২ লক্ষেরও বেশি অ্যাকাউন্টে পুনরায় কে ওয়াই সি প্রক্রিয়া সম্পন্ন হয়েছে। এই ক্ষেত্রে ঝাড়খণ্ড রাজ্যের পারফরম্যান্স উল্লেখযোগ্য। সিং বলেন, আর্থিক অন্তর্ভুক্তি মানে হলোসবার জন্য আর্থিক সুবিধা নিশ্চিত করা, এবং ব্যাংকিং পরিষেবা এ ক্ষেত্রে প্রবেশদ্বারের মতো কাজ করে, যা দূরবর্তী এলাকাতেও পৌঁছে যায়। হালনাগাদ তথ্যসহ ব্যাংক অ্যাকাউন্ট সক্রিয় রাখা ব্যাংকিং পরিষেবার সুষ্ঠু প্রাপ্যতায় সহায়ক। তিনি একে অন্তর্ভুক্তিমূলক পরিষেবা প্রদানের একটি গুরুত্বপূর্ণ পদক্ষেপ বলে উল্লেখ করে বলেন''আমরা প্রতিশ্রুতিবদ্ধ যে কোনো গ্রাহক বঞ্চিত থাকবেন না। বিওআই-এর কার্যনির্বাহী পরিচালক পি আর রাজগোপালা আর্থিক অন্তর্ভুক্তির প্রয়োজনীয়তা

ریزرو بینک آف انڈیا اور بینک آف انڈیا کے مشترکہ زیر اہتمام میگا فنانشل انکلوژن کیمپ کا انعقاد

رانچی (پریس ریلیز) بینک آف انڈیا کے ایگزیکٹو ڈائریکٹر جناب پی آر راجکو پالا کی رانچی آمد کے موقع پر آج 13.08.2025 کو BOI اور ریزرو بینک آف انڈیا کے مشترکہ زیر اہتمام پنچایت بھون، ٹانگر، رانچی میں ایک میگا فنانشل انکلوژن کیمپ کا انعقاد کیا گیا۔ بی او آئی کے فیلڈ جنرل منیجر شری گرو پرساد گونڈ اور بی او آئی رانچی کے ریجنل منیجر سنجیو کمار سنگھ۔ اس موقع پر ریجنل ڈائریکٹر شری پریم رنجن پرساد سنگھ نے کہا کہ یہ کیمپ لوگوں سے جڑنے اور اس بات کو یقینی بنانے کی کوشش ہے کہ تمام شہری مالیاتی نظام اور اس کی سہولیات سے مستفید ہوں۔ انہوں نے بتایا کہ گرام پنچایت سطح پر بینکوں اور تمام سٹیک ہولڈرز کے اشتراک سے منعقد کئے گئے ان کیمپوں کا مقصد دوبارہ KYC کرنا، جن دھن کھاتوں، اندراج سمیت تفصیلات کو اپ ڈیٹ کر کے تمام کھاتوں کو فعال رکھنا، سماجی تحفظ بیمہ اور پنشن اسکیموں کے فوائد فراہم کرنا اور لوگوں کو ضروری مالی معلومات، سہولیات اور احتیاطی تدابیر سے آگاہ کرنا ہے۔ انہوں نے مزید بتایا کہ اکتوبر 2024 سے ریزرو بینک آف انڈیا، رانچی آفس کی طرف سے خصوصی کوششیں کی جارہی ہیں، جس کے تحت اب تک 12 لاکھ سے زیادہ کھاتوں میں دوبارہ KYC کا عمل مکمل ہو چکا ہے۔ اس تناظر میں ریاست جھارکھنڈ کی کارکردگی قابل ذکر رہی ہے۔ شری سنگھ نے کہا کہ مالی شمولیت کا مطلب ہے سبھی کے لیے مالی سہولیات کو یقینی بنانا اور بینکنگ سہولیات اس سمت میں ایک گیٹ وے کے طور پر کام کرتی ہیں، جو دور دراز علاقوں کو بھی خدمات فراہم کرتی ہے۔ تازہ ترین تفصیلات کے ساتھ بینک اکاؤنٹس کو فعال رکھنا بینکنگ خدمات کی آسانی سے دستیابی میں مددگار ہے۔ اسے جامع خدمات کی فراہمی کی جانب ایک اہم قدم قرار دیتے ہوئے، انہوں نے کہا - ہم اس بات کے لیے پرعزم ہیں کہ کوئی بھی صارف محروم نہیں رہے گا۔ BOI کے ایگزیکٹو ڈائریکٹر جناب پی آر راجکو پالا نے مالی شمولیت کی ضرورت اور اہمیت پر زور دیا۔ انہوں نے کہا کہ بینک آف انڈیا ملک کے ہر شہری تک بینکنگ اور مالیاتی خدمات تک رسائی کو یقینی بنانے کے لیے پرعزم ہے۔ مسٹر راجکو پالا نے کہا، مالی شمولیت معاشی ترقی کا ایک لازمی ستون ہے۔ جامع ترقی تب ہی ممکن ہے جب بینکنگ کی سہولیات معاشرے کے ہر طبقے کے لیے آسانی سے اور آسانی سے دستیاب ہوں۔ بینک آف انڈیا ڈیجیٹل بینکنگ، جن دھن یوجنا، انشورنس اور پنشن اسکیموں جیسی حکومت کی کوششوں کے ساتھ مل کر کام کر رہا ہے۔